nt>

Title: Need to develop historical ponds of Chandel dynasty in Mahoba district of Bundelkhand region, U.P. with a view to encourage tourism- Laid.

श्री अशोक कुमार सिंह चंदेल (हमीरपुर, उ0प्र0): अध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश राज्य के अति पिछड़े बुंदेल खंड क्षेत्र के अंतर्गत जनपद महोबा में आज से ग्यारह सौ वर्ा पूर्व चन्देल वंश के राजाओं द्वारा निर्मित विभिन्न चन्देल कालीन तालाब जो कीरत सागर, मदन सागर, कल्याण सागर, बीजा नगर सागर, दिसापुर सागर आदि नामों से जाना जाता है व चरखारी के सप्त तालाब जो सात तालाब हैं, जो चरखारी नगर उनके बीच बसे हुए हैं, जहां एक प्राचीन किला भी बना हुआ है, लुप्त होती जा रही हैं। लगातार इन तालाबों की देखरेख में उदासीनता के कारण उनकी उपयोगिता लगभग खत्म हो गयी है। जबकि इस क्षेत्र की बहुत बड़ी आबादी और पशुधन इन तालाबों की पानी पर आश्रित है। ये सभी तालाब पहाड़ी क्षेत्र की तराई में होने के कारण सालों साल लगातार वर्ा पानी से बहकर आये मिट्टी व अन्य खाद्य पदार्थो से पूर्णतः भर गया है।

अतः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से खासकर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री का ध्यान इन पौराणिक एवं ऐतिहासिक धरोहर को पर्यटन की दृटि से विकसित करने के लिए आकृट करना चाहता हूं ताकि स्थानीय आबादी को पीने का पानी एवं रोजगार के साधन उपलब्ध हो सके।